



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 180]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 11, 1974/आषाढ़ 20, 1896

No. 180]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 11, 1974/ASADHA 20, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 11th July 1974

G.S.R. 313(E).—In exercise of the powers conferred by clause (8) of section 3 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby declares that the Port of New Tuticorin shall be a major port.

[No. F.11-PGI/25/73-I]

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन कक्ष)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1974

सां० कां० निं० 313(प्र).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 3 के खण्ड (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषित करती है कि नया-तूतीकोरिन एक महा पत्तन होगा।

[सं० फ० 11-पी जी II/25/73-I]

G.S.R. 314(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) and (b) of sub-section (1) and sub-section (2) of section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby extends the said Act to the port of New Tuticorin and declares that the limits thereof shall, for the purpose of the said Act, be as stated below:—

On the North:—

- (a) line joining the northern boundary pillars THP 26 and THP 27 of the Tuticorin Harbour Estate,
- (b) thence along the high water mark upto the outer edge of the North Breakwater,
- (c) thence along the outer edge of the same Breakwater where it meets the parallel of latitude $8^{\circ} 45'$ North,
- (d) thence along the parallel of latitude $8^{\circ} 45'$ North to a position in latitude $8^{\circ} 45'$ North and longitude $78^{\circ} 21'$ East.

On the East:—

line joining a position in latitude $8^{\circ} 45'$ North longitude $78^{\circ} 21'$ East to a position in latitude $8^{\circ} 41' 40''$ North longitude $78^{\circ} 20' 20''$ East.

On the South:—

line due west from a position in latitude $8^{\circ} 41' 40''$ North longitude $78^{\circ} 20'$ East to where it meets the point 45.72 metres from the high water mark on the shore.

On the West:—

- (a) thence along a line 45.72 metres on the shore from high water mark upto the southern acquisition boundary pillar THP 1 of the Tuticorin Harbour Estate,
- (b) thence along the southern acquisition boundary between boundary pillars THP 1 to THP 6.
- (c) thence along the western acquisition boundary between boundary pillars THP 6 to THP 21.
- (d) thence along the northern edge of the railway siding to Harbour between boundary pillars THP 21 to THP 24,
- (e) thence along the western edge of the western flood bank of the Koram-pallam Surplus Course between the boundary pillars THP 24 to THP 25,
- (f) thence along the high water mark where it meets the outer edge of the railway siding leading to North Breakwater,
- (g) thence along the outer edge of the railway siding to North Breakwater where it meets the high water mark,
- (h) thence along the high water mark upto the northern acquisition boundary pillar THP 26 of the Tuticorin Harbour Estate.

The above mentioned limits shall include all wharves and other works made on behalf of the public for convenience of traffic, for safety of vessels, or for the improvement, maintenance of good government of the port and its approaches, whether within or without high water mark and, subject to any rights of private property therein, any portion of the shore or bank within 45.72 metres of high water mark.

[No. F.11-PGII/25/73-II]

सा० का० नि० 314(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 4 की उपधारा (2) के खण्ड (क) और (ख) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम का विस्तार नए तूतीकोरिन पत्तन तक करती है और घोषित करती है कि उसकी सीमाएं, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए, वें होगी जो नीचे कथित की गई हैं:—

उत्तर में:—

- (क) तूतीकोरिन बन्दरगाह एस्टेट के उत्तरी सीमा स्तम्भ टी एच पी 26 और टी एच पी 27 को जोड़ने वाली लाइन,

- (ख) वहां से उच्च जल चिन्ह के साथ-साथ उत्तरी बांध के बाहरी किनारे तक,
- (ग) वहां से उस बांध के बाहरी किनारे के साथ-साथ होते हुए वहां तक जाती है जहां तक $8^{\circ}45'$ उत्तरी अक्षांश के समानान्तर से मिलती है,
- (घ) वहां से उत्तर में $8^{\circ}45'$ अक्षांश के समानान्तर के साथ-साथ होते हुए ऐसे स्थान तक जाती है जो उत्तर में $8^{\circ}45'$ अक्षांश और पूर्व में $78^{\circ}21'$ दिशान्तर पर स्थित है;

पूर्व में :—

उत्तर में $8^{\circ}45'$ अक्षांश, पूर्व में $78^{\circ}21'$ देशान्तर को जोड़ने वाली रेखा से ऐसे स्थान तक जाती है जो उत्तर में $8^{\circ}45'40''$ अक्षांश और पूर्व में $78^{\circ}21'20''$ देशान्तर पर स्थित है।

दक्षिण में :—

ऐसे स्थान से जो उत्तर में $8^{\circ}41'40''$ अक्षांश और पूर्व में $78^{\circ}20'20''$ देशान्तर पर स्थित है से ठीक पश्चिम में उस रेखा तक जाती है जहां ऐसे स्थान तक जहां यह तट पर उच्च जल चिन्ह से 45.72 मीटर की दूरी पर स्थिति बिन्दु से मिलती है।

पश्चिम में :—

- (क) वहां से तट पर 45.72 मीटर रेखा के साथ-साथ होते हुए उच्च जल चिन्ह से तूतीकोरिन बन्दरगाह एस्टेट के दक्षिण में अर्जन सीमा स्तम्भ टी एच पी तक जाती है।
- (ख) वहां से दक्षिण अर्जन सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ टी एच पी 1 से टी एच पी 6 के बीच होते हुए जाती है।
- (ग) वहां से पश्चिमी अर्जन सीमा के साथ-साथ होते हुए सीमा स्तम्भ टी एच पी 6 से टी एच पी 21 के बीच होते हुए जाता है।
- (घ) वहां से रेलवे साइडिंग के उत्तरी किनारे के साथ-साथ होती हुई सीमा स्तम्भ टी एच पी 21 से टी एच पी 24 के बीच बन्दरगाह तक जाती है।
- (ङ) वहां से कुरामपल्लम सर्पलस कोर्स के पश्चिमी रक्त बैंक के पश्चिमी किनारे के साथ-साथ होती हुई सीमा स्तम्भ टी एच पी 25 के बीच तक जाती है।
- (च) वहां से उच्च जल चिन्ह के साथ-साथ होती हुई उत्तरी बांध तक जाने वाले रेलवे साइडिंग के बाहरी किनारे तक जाती है।
- (छ) वहां से रेलवे साइडिंग के बाहरी किनारे के साथ-साथ होती हुई उत्तरी बांध तक जाती है जहां यह उच्च जल चिन्ह से मिलती है।
- (ज) वहां से उच्च जल चिन्ह के साथ-साथ होती हुई तूतीकोरिन बन्दरगाह एस्टेट के उत्तरी अर्जन सीमा स्तम्भ टी एच पी 26 तक जाती है।

उपर वर्णित सीमाओं में, यातायात की सुविधा के लिए वाहनों की सुरक्षा के लिए या पत्तन और इसके भागों के सुधार, अनुरक्षण और अच्छे प्रशासन के लिए, जनता की ओर से बनाए गए घाट और अन्य संकर्म चाहे वे जल की उच्चतम सीमा के भीतर हों या बाहर और, उसमें निजी सम्पत्ति के बारे में किसी अधिकार के अधीन रहते हुए जल की उच्चतम सीमा को 45.72 मीटर के भीतर तट या किनारे की कोई भाग सम्मिलित है।

[सं० फा० 11-पी जे II/25/73-II]

G.S.R. 315(E).—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby withdraws the provisions of section 31 of the said Act from such part of the limits of the port of New Tuticorin to which the provisions of the said section have been extended in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport No. 11-PGII/25/73-II, dated 11th July, 1974 as falls outside the following limits namely:—

“All the navigational waters (including all navigable channels leading to the Port of New Tuticorin) to the west of line joining a position in latitude $8^{\circ} 45'$ longitude $78^{\circ} 17' 30''$ East to a position latitude $8^{\circ} 41' 40''$ North longitude $78^{\circ} 16' 30''$ East.”

[No. F.11-PGII/25/73-III]

सां.कां.निं. 315(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नए तूतीकोरिन पत्तन की सीमाओं के ऐसे भाग के संबंध में जिसको उक्त धारा के उपबंध, भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. 11 पी जी/II/25-73-II, तारीख 11-7-74 द्वारा विस्तारित किये गये हैं और जो निम्नलिखित सीमाओं के बाहर है, उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंधों का प्रत्याहरण करती है, अर्थात्.—

“ऐसे स्थान जो $8^{\circ} 45'$ उत्तरी अक्षांश और $78^{\circ} 17' 30''$ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है जो उस स्थान से जो $8^{\circ} 41' 40''$ उत्तरी अक्षांश और $78^{\circ} 16' 30''$ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है, मिलाने वाली रेखा के पश्चिम में सभी नौ परिवहन समुद्र (जिनमें वे सभी नाव्य जलूसर-णियों भी आती हैं जो नव तूतीकोरिन पत्तन को जाती हैं) ”

[सं. कां. 11-पी जी II/25/73-III]

G.S.R. 316(E). In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 and sub-section (1) of section 36 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby appoints the Chief Engineer and Administrator, Port of New Tuticorin to be the Conservator of the Port of New Tuticorin and to receive all dues, fees or other charges authorised to be taken at the Port of New Tuticorin by or under the said Act, and, subject to the control of the Central Government, to expend the receipts on any of the objects authorised by the said Act.

[No. F.11-PGII/25/73-IV]

K. SIVARAJ, Jt. Secy.

सां. कां. निं. 316 (अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 7 की उपधारा (1) और धारा 36 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नए तूतीकोरिन पत्तन के मुख्य इंजीनियर और प्रशासक को, नए तूतीकोरिन पत्तन के संरक्षक के रूप में और उक्त अधिनियम द्वारा या के अधीन नए तूतीकोरिन पत्तन पर लिये जाने वाले प्राधिकृत सभी देय, फीस या अन्य प्रभार प्राप्त करने के लिये और केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन रहते हुए प्राप्तियों को उक्त अधिनियम द्वारा प्राधिकृत उद्देश्यों में से किसी पर खर्च करने के लिये नियुक्त करती है ।

[सं. कां. 11-पी जी II/25/73-IV]

के. शिवराज, संयुक्त सचिव ।